भारतीय संसदीय ग्रुप
वार्षिक प्रतिवेदन
2019-2020

मु

ह

र

लोक सभा सचिवालय
नई दिल्ली

अक्टूबर, 2020

क्रमसंख्या	विषय	पृष्ठ
1.	प्रस्तावना	1
2.	कार्यकारिणी समिति का गठन	1
3.	कार्यकारिणी समिति के कोषाध्यक्ष और सदस्य	2
4.	लेखा परीक्षक	3

भाग-1
अंतर संसदीय संघ (आईपीयू) संबंधी कार्यकलाप

क.	**अंतर संसदीय संघ (आईपीयू) की सांविधिक सभाओं तथा अन्य विशिष्ट बैठकों में भारतीय संसदीय समूह का प्रतिनिधित्व**	
1.	दोह कतर में 4 से 10 अप्रैल, 2019 के बीच आयोजित अंतर संसदीय संघ (आईपीयू) की 140वीं सभा।	3
2.	1 और 2 सितम्बर, 2019 को माले, मालदीव में सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के संबंध में दक्षिण एशियाई अध्यक्षों का चौथा सम्मेलन।	4
3.	3 से 5 सितम्बर, 2019 को बगदाद, इराक में हुई एशियाई संसदीय सभा की बजट और योजना संबंधी स्थाई समिति की बैठक।	5
4.	30 सितम्बर से 3 अक्टूबर, 2019 को कुआलालमपुर, मलेशिया में हुआ आतंकवाद और अतिवाद का मुकाबला करने संबंधी अंतर संसदीय संघ-यूएन क्षेत्रीय सम्मेलन।	5
5.	विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) संबंधी संसदीय सम्मेलन की संचालन समिति का 44वां सत्र; (दो) विश्व व्यापार संगठन के पब्लिक फोरम, 2019 की रूपरेखा के अंतर्गत संसदीय सत्र;	6

	और (तीन) विश्व व्यापार संगठन पब्लिक फोरम 2019 की जिनेवा, स्विटजरलैंड में 7 से 11 अक्टूबर, 2019 को हुई बैठकें।	
6.	बेलग्रेड, सर्बिया में 13 से 17 अक्टूबर, 2019 को अंतर संसदीय संघ (आईपीयू) की 141वीं सभा की बैठक।	6
7.	3 से 5 नवम्बर, 2019 को टोकियो, जापान में आयोजित 6वां जी-20 संसदीय अध्यक्षों का शिखर सम्मेलन (पी-20)।	8
8.	13 से 18 दिसम्बर, 2019 को अंतालिया, तुर्की में एशियाई संसदीय सभा की दूसरी कार्यकारिणी परिषद की बैठक और 12वां पूर्ण अधिवेशन सत्र।	8
9.	पीपुल्स मजलिस, मालदीव की संसद का उद्घाटन सत्र।	9
10.	विश्व व्यापार संगठन संबंधी संसदीय सम्मेलन की संचालन समिति के 45वें सत्र की बैठक।	9
ख.	**अंतर संसदीय संघ (आईपीयू) की केंद्रीय निधियों में अंशदान**	**9**

भाग-दो
राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) से संबंधित घटनाएं

1.	भारत में विधायी निकायों के पीठासीन अधिकारियों की 28 अगस्त, 2019 को नई दिल्ली में बैठक।	10
2.	पीठासीन अधिकारियों की अतिरिक्त समिति।	10
3.	22 से 29 सितम्बर, 2019 तक कंपाला, उगांडा में आयोजित 64वां राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन।	11
4.	पीठासीन अधिकारियों की समितियां।	13
5.	दिसम्बर, 2019 में भारत में पीठासीन अधिकारियों और विधायी निकायों के सचिवों का सम्मेलन।	14
6.	5 से 9 जनवरी, 2020 को ओटावा, कनाडा में राष्ट्रमंडल के	15

	अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों का 25वां सम्मेलन।	
7.	15 से 19 जनवरी, 2020 को लखनऊ में 7वां सीपीए भारत क्षेत्र सम्मेलन।	16
8.	27 फरवरी से 1 मार्च, 2020 को सीपीए के महासचिव की भर्ती संबंधी बैठक	17
	राष्ट्रमंडल संसदीय संघ में वार्षिक अंशदान	17

भाग-तीन
द्विपक्षीय विचार-विमर्श और अन्य घटनाएं

I	**भारत आने वाले विदेशी संसदीय शिष्टमंडल**	
1.	8 से 13 दिसम्बर, 2019 तक मालदीव का संसदीय शिष्टमंडल।	18
2.	8 से 14 फरवरी तक कनाडा का शिष्टमंडल।	18
II	**संसद भवन परिसर में विदेशी गणमान्य व्यक्तियों का दौरा।**	**19**
III	**भारतीय संसदीय ग्रुप के तत्वाधान में आयोजित समारोह / सम्मेलन और राष्ट्रीय नेताओं को पुष्पाजंलि।**	
1.	राष्ट्रीय नेताओं को पुष्पाजंलि।	19
2.	भारत के संविधान को अंगीकार करने हेतु 70वीं वर्षगांठ मनाने मनाने के लिए समारोह - संविधान दिवस'' मनाने हेतु समारोह – 'संविधान दिवस'।	21
IV	**परिचय पत्र/फैक्स संदेश**	**21**
V	**सदस्यता**	**21**
VI	**निधन संबंधी उल्लेख**	**22**
VII	**लेखे**	**22**
VIII	**आयोजित बैठकें**	
1.	भारतीय संसदीय ग्रुप की कार्यकारिणी समिति की बैठक	23
2.	भारतीय संसदीय ग्रुप की वार्षिक आम बैठक	23

परिशिष्ट

परिशिष्ट-एक	31 मार्च, 2020 को समाप्त हुए वर्ष के लिए रसीद और भुगतान लेखा	24
परिशिष्ट-दो	31 मार्च, 2020 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा	25
परिशिष्ट-तीन	31 मार्च, 2020 को समापत हुए वर्ष के लिए तुलन-पत्र	26
परिशिष्ठ – चार	फोरम 10 BB	27
परिशिष्ट-पांच	भारतीय संसदीय ग्रुप का निवेश	28
परिशिष्ट-छ	वर्ष 2019-2020 के लिए ग्रुप की कार्यकारिणी समिति के महत्वपूर्ण निर्णय	29

भारतीय संसदीय समूह

वार्षिक प्रतिवेदन
(2019-2020)

प्रस्तावना

भारतीय संसदीय समूह (जिसका उल्लेख आगे चलकर अब 'समूह' के रूप में किया जायेगा) की कार्यकारिणी समिति 1 अप्रैल, 2019 से 31 मार्च, 2020 तक की अवधि के लिए अपना वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करती है। यह प्रतिवेदन निम्नलिखित तीन भागों में विभाजित है:-

भाग-एक अंतर संसदीय संघ

भाग-दो राष्ट्रमंडल संसदीय संघ
भाग-तीन द्विपक्षीय विचार-विमर्श तथा अन्य घटनाएं

2. **<u>कार्यकारिणी समिति का गठन</u>**

अध्यक्ष: लोक सभा अध्यक्ष, श्रीमती सुमित्रा महाजन 17 जून, 2019 तक समूह की पदेन अध्यक्ष बनी रहीं। श्री ओम बिरला जिन्हें 19 जून,2019 को लोक सभा के अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किया गया, उस तिथि से समूह के पदेन अध्यक्ष बने।

उपाध्यक्ष: लोक सभा के उपाध्यक्ष डा. एम. तंबिदुरै 25 मई, 2019 तक समूह के पदेन उपाध्यक्ष बने रहे।

राज्य सभा के उपसभापति श्री हरिवंश उक्त वर्ष के लिए समूह के पदेन उपसभापति बने रहे।

महासचिव: लोक सभा की महासचिव] श्रीमती स्नेहलता श्रीवास्तव उक्त वर्ष के लिए समूह की पदेन महासचिव के रूप में बनी रहीं।

3. <u>कार्यकारिणी समिति के कोषाध्यक्ष तथा सदस्य</u>

समूह के अध्यक्ष द्वारा, 14 जनवरी, 2018 को वर्ष 2017-2018 तथा 2018-2019 के लिए समूह की जिस कार्यकारिणी समिति* का गठन किया गया था, वही कार्यकारिणी समिति वर्ष 2019-2020 के लिए भी बनी रही। इसका गठन निम्नवत है:

<u>कोषाध्यक्ष</u>

** रिक्त

<u>सदस्य</u>

1. श्री राकेश सिंह	संसद सदस्य (लोक सभा)
2. डॉ. हिना विजयकुमार गावित	संसद सदस्य (लोक सभा)
3. श्री सुदीप बन्दोपाध्याय	संसद सदस्य (लोक सभा)
4. श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुले	संसद सदस्य (लोक सभा)
5. श्री एन.के. प्रेमचन्द्रन	संसद सदस्य(लोक सभा)
6. रिक्त ***	
7. रिक्त ***	
8. रिक्त ***	
9. डा. सत्यनारायण जटिया	संसद सदस्य (राज्य सभा)
10. श्री रणविजय सिंह जूदेव	संसद सदस्य (राज्य सभा)
11. डा. विनय पी. सहस्त्रबुद्धे	संसद सदस्य (राज्य सभा)
12. श्री अनिल देसाई	संसद सदस्य (राज्य सभा)
13. श्री नरेश गुजराल	संसद सदस्य (राज्य सभा)

<u>सहयोगी सदस्य</u>

14. डा. कर्ण सिंह	पूर्व संसद सदस्य
15. श्री सीताराम येचुरी	पूर्व संसद सदस्य
16. डा. वल्लभभाई कठीरिया	पूर्व संसद सदस्य
17. श्रीमती भावना कर्दम दवे	पूर्व संसद सदस्य
18. श्री प्रदीप गांधी	पूर्व संसद सदस्य

<u>आमंत्रिती</u>

श्री देश दीपक वर्मा
महासचिव, राज्य सभा

4. **<u>लेखा परीक्षक:</u>** वर्ष 2019-2020 के लिए मैसर्स एस.एस. कोठारी मेहता एंड कंपनी को समूह का लेखा परीक्षक नियुक्त किया गया।

---

* **भारतीय संसदीय समूह के नियमों के अनुसार, भारतीय संसदीय समूह की वर्तमान कार्यकारिणी समिति, नई कार्यकारिणी समिति के सदस्यों के निर्वाचन तक समूह के कार्यों को जारी रखेगी।**

** **श्री ओम बिरला, अध्यक्ष, लोक सभा के स्थान पर**

*** **श्री रमेश बैस, श्री अनिल गुलाबराव शिरोले और श्री राजीव सातक की लोक सभा सदस्यता की समाप्ति पर**

भाग-एक
<u>अंतर संसदीय संघ से संबंधित कार्यकलाप</u>

(क) अंतर संसदीय संघ (आईपीयू) की सांविधिक सभाओं तथा अन्य विशिष्ट बैठकों में भारतीय संसदीय समूह का प्रतिनिधित्व

1. दोहा, कतर में 6 से 10 अप्रैल, 2019 के बीच आयोजित अंतर संसदीय संघ (आईपीयू) की 140वीं सभा

6 से 10 अप्रैल, 2019 के बीच दोहा (कतर) में अंतर संसदीय संघ की 140वीं सभा का आयोजन किया गया। राज्य सभा के माननीय सभापति श्री हरिवंश के नेतृत्व में दो सदस्यों वाले एक भारतीय संसदीय शिष्टमंडल ने इस सभा में भाग लिया। राज्य सभा की सदस्य डॉ0 (श्रीमती) सोनल मानसिंह, इस शिष्टमंडल की दूसरी सदस्य थीं। श्री पी.सी. कौल, संयुक्त सचिव, लोक सभा सचिवालय, इस शिष्टमंडल के सचिव थे।

राज्य सभा के उप सभापति ने आम चर्चा में भाग लिया जिसका विषय ''शांति, सुरक्षा ओर विधि के शासन हेतु शिक्षा का प्रसार करने के लिए मंचों के रूप में संसदें'' था। सभा ने इस विषय से संबंधित एक घोषणा को भी अंगीकृत किया। सभा द्वारा अंतराष्ट्रीय महत्व के एक आपात मुद्दे के रूप में इडाई चक्रवात से प्रभावित ''मीजाम्बिक, मलावी ओर जिम्बावे की सहायता हेतु तत्काल अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्यवाही किये जाने का आह्वान'' विषय का चयन किया गया और उस पर एक संकल्प भी अंगीकृत किया गया।

सभा ने आईपीयू की स्थायी समितियों के तत्वाधान में निम्नलिखित विषयों पर चर्चा की और संकल्प अंगीकृत किये:-

(i) अंतर संसदीय संघ की शांति और अंतराष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी पहली स्थायी समिति ''दूसरे देशों के सैनिकों का उपयोग कर शांति भंग करना अथवा मानवाधिकारों का उल्लंघन करना स्वीकार्य नहीं''

(ii) अंतर संसदीय संघ का सतत विकास, वित्त और व्यापार संबंधी दूसरी स्थायी समिति 'विशेष रूप से आर्थिक समानता, टिकाऊ बुनियादी ढांचे, औद्योगिकीकरण और नवाचार संबंधी सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में स्वतंत्र और निष्पक्ष व्यापार तथा निवेश की भूमिका'। इसके अतिरिक्त, अंतर संसदीय संघ की निम्नलिखित स्थायी समितियों के तत्वाधान में भी पैनल चर्चाएं/विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुतियां आयोजित की गयीं:-

(iii) अंतर संसदीय संघ की लोकतंत्र और मानवाधिकार संबंधी तीसरी स्थायी समिति '2030 तक यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज की प्राप्ति: स्वास्थ्य संबंधी अधिकार सुनिश्चित करने में संसदों की भूमिका'

(iv) अंतर संसदीय संघ की संयुक्त राष्ट्र मामलों संबंधी चौथी स्थायी समिति

- सतत विकास संबंधी संयुक्त राष्ट्र उच्च-स्तरीय राजनैतिक मंच (एचएलपीएफ) के 2019 के सत्र हेतु तैयार किए जा रहे सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के संबंध में संसदीय अनुवर्ती कार्यवाही

- 'उच्च स्तरीय राजनैतिक मंच 2019 (एचएलपीएफ) का मुख्य विषय: समावेशन और समानता सुनिश्चित कर लोगों को सशक्त करना'

सभा के दौरान, भारतीय संसदीय शिष्टमंडल ने महिला सांसद मंच शासी परिषद; क्षेत्रीय भू-राजनीतिक समूह (एशिया-प्रशांत समूह) और अंतर संसदीय संघ के अन्य निकायों की बैठकों में भाग लिया।

लोक सभा की महासचिव श्रीमती स्नेहलता श्रीवास्तव और राज्य सभा सचिवालय के सचिव डॉ0 पी.पी.के. रामाचार्युलु ने संसदों के महासचिवों के संघ

(एएसजीपी) की बैठकों में भाग लिया। संसदों के महासचिवों की बैठक के दौरान लोक सभा के महासचिव ने ''भारतीय संसद में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग: पारदर्शिता और कौशल संवर्धन'' विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये।

इसके अतिरिक्त, भारतीय संसदीय शिष्टमंडल तथा नेपाल, भूटान, कम्बोडिया, सर्बिया और वियतनाम के संसदीय शिष्टमंडलों के बीच द्विपक्षीय बैठकें भी आयोजित की गयीं।

2. **सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजीएस) की प्राप्ति के संबंध में दक्षिण एशियाई अध्यक्षों का चौथा सम्मेलन 1 और 2 सितम्बर, 2019 को माले, मालदीव में आयोजित किया गया।**

सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने संबंधी चौथा दक्षिण एशियाई देशों के अध्यक्षों का सम्मेलन 1 और 2 सितम्बर, 2019 को माले, मालदीव में हुआ। इस सम्मेलन का आयोजन अंतर संसदीय संघ और मालदीव की द पीपुल्स मजलिस द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

लोक सभा के अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने इस सम्मेलन में भारतीय संसदीय शिष्टमंडल का नेतृत्व किया। उनके साथ राज्य सभा के उप सभापति श्री हरिवंश ने भी सम्मेलन में भाग लिया। शिष्टमंडल में लोक सभा की महासचिव श्रीमती स्नेहलता श्रीवास्तव और राज्य सभा के महासचिव श्री देश दीपक वर्मा भी शामिल थे। लोक सभा सचिवालय के संयुक्त सचिव श्री पी.सी. कौल शिष्टमंडल के सचिव थे।

इस सम्मेलन के दौरान निम्नलिखित सत्र आयोजित किए गए:

(i) पूर्ण सत्र: कोलम्बो घोषणा (2018) पर अनुवर्ती कार्यवाही

(ii) सत्र । सतत विकास लक्ष्यों 2 और 3 को प्राप्त करना। एशिया प्रशांत क्षेत्र में मातृ, शिशु और किशोर स्वास्थ्य के चालक के रूप मे पोषण और सुरक्षा को प्राप्त करना।

(iii) सत्र III: पेरिस समझोते को पूरा करने हेतु क्षेत्रिए कार्यसूची को सुड्रूड़ करने के लिए चुनोतियों पर काबू पाने और अवसरो का सुदुपयोग करने के लिए परम परिवर्तन संबंधी वेशविक कार्यसूची को उतप्रेरित करना।

सम्मेलन के दोरान चर्चा किये गये मुद्धों पर विचारो के और आगे आदान प्रदान करने के लिए सम्मेलन के दौरान भागीदारी करने वाले संसदों के अध्यक्षों का गोलमेज सत्र।

माले घोषणा एक सम्मेलन मे बैठक के निष्कर्मों और सिफ़ारिशों के सारांश वाले परिणामी दस्तावेज़ को अंगीकृत किया गया।

3. **सितंबर 3 से 5, 2019 को बगदाद (इराक) में हुई एशियाई संसदीय असेम्बली (एपीए) की बजट और योजना संबंधी स्थायी समिति की बैठक**

तिकी बजट और योजना संबंधी स्थायी समि एशियाई संसदीय असेम्बली (एपीए) की बैठक 3 से 5 सितंबर, 2019 को बगदाद (इराक) में हुई। श्री भर्तृहरि महताब, संसद सदस्य, लोक सभा ने इस बैठक में भाग लिया। बैठक के दौरान एशियाई संसदीय असेम्बली (एपीए) का बजट और योजनरा संबंधी प्रारूप संकल्प पर विचार किया गया और उसे अंगीकृत किया गया।

4. **30 सितंबर से 3 अक्तूबर तक कुआलालमपुर, मलेशिया में हुआ आतंकवाद और अतिवाद का मुकाबला करने संबंधी अंतर संसदीय संघ - युक्त राष्ट्र क्षेत्रीय सम्मेलन**

आतंकवाद और अतिवाद का मुकाबला करने संबंधी, अंतरसंसदीय ग्रुप-, संयुक्त राष्ट्र क्षेत्रीय सम्मेलन 30 सितंबर से 3 अक्तूबर, 2019 तक कुआलालमपुर, मलेशिया में हुआ। श्री विष्णु दायाल राय, संसद सदस्य, लोक सभा शिष्टमंडल के नेता और श्रीमती संपतिया उइके, संसद सदस्य, राज्य सभा वाले भारतीय संसदीय शिष्टमंडल ने उपरोक्त सम्मेलन में भाग लिया। सुश्री रिमझिम प्रसाद, संयुक्त सचिव, लोक सभा सचिवालय शिष्टमंडल की सचिव थीं। इस सम्मेलन का मुख्य विषय एशिया प्रशांत क्षेत्र मे आतंकवाद की रोकथाम करने और उसका मुक़ाबला करने तथा आतंकवाद की स्तिथियों से निपटने में सांसदों की भूमिका।

सम्मेलन के अंत में परिणामी दस्तावेज को अंगीकृत किया गया।

5. <u>विश्व व्यापार संगठन चालान संबंधी संसदीय सम्मलेन की (डबल्यूटीओ) समिति का 44वां सत्र; विश्व व्यापार संगठन के पब्लिक फॉरम, 2019 की रूपरेखा के अंतर्गत संसदीय सत्र और विश्व व्यापार संगठन पब्लिक फॉरम, 2019 की बैठेके जनेवा, स्विट्ज़रलैंड मे 7 से 11 अक्टूबर 2019 को संपन्न हुई।</u>

श्री राजीव प्रताप रूडी, संसद सदस्य लोक सभा और विश्व व्यापार संगठन संबंधी संसदीय समिति के आईपीयू संचालन समिति के सदस्य ने उपरोक्त बैठकों में भाग लिया। उपरोक्त बैठकों के दौरान निम्नलिखित विषयों पर चर्चा हुई-:

1) नूर में (जाखस्तानक) सुल्तान -12 वें मंत्रियों के सम्मेलन के अवसर पर डब्ल्यूटीओ संबंधी संसदीय सम्मेलन की व्यवस्था के बारे में प्राथमिक चर्चा सहित डब्ल्यूटीओ में नवीनतम घटनाक्रम से संबंधित अद्यतन जानकारी।
2) ट्रेड फॉरवर्ड : बदलते विश्व मे समानुकूलन।
3) डिजिटल व्यापार में सांसदों की क्या भूमिका होगी?

6. <u>अंतर संसदीय संघ (आईपीयू) की141 वीं सभा की बैठक</u>

बेलग्रेड (सर्बिया) में13-17 अक्टूबर 2019 को संपन्न हुई।

आईपीओ की 141 वीं सभा की बैठक बेलग्रेड सर्बिया में 13-17 अक्टूबर 2019 को संपन्न हुई। श्री ओम बिरला माननीय अध्यक्ष, लोक सभा के नेतृत्व में तथा डॉ शशि थरूर, संसद सदस्य लोक सभा, सुश्री कनिमोझी करुणानिधि, संसद सदस्य, लोक सभा, श्रीमती वानसुक सिएम, संसद सदस्य राज्य सभा, डॉ भारतीबेन डीश्याल ., संसद सदस्य लोक सभा, कुमारी शोभा कारांदलाजे संसद सदस्य, लोक सभा, श्री रामकुमार वर्मा, संसद सदस्य, राज्य सभा और श्री सस्मित पात्रा, संसद सदस्य,राज्य सभा सहित एक भारतीय शिष्टमंडल ने सभा में भाग लिया। श्रीमती स्नेहलता श्रीवास्तव, महासचिव, लोक सभा और श्री देश दीपक वर्मा, महासचिव, राज्य सभा तथा सांसदों के महासचिवों के संघ एसोसिएशन ऑफ) सेक्रेटरी जनरल ऑफ पार्लियामेंट) के सदस्यों ने भी सभा में भाग लिया। श्री पी सी कॉल, संयुक्त सचिव, लोक सभा सचिवालय, शिष्टमंडल के सचिव थे।

माननीय अध्यक्ष, लोक सभा ने अंतरराष्ट्रीय कानून का सुदृढ़ीकरण: का " संसदीय भूमिका और तंत्र तथा क्षेत्रीय सहयोग का योगदान" के समग्र विषय पर सभा में आम चर्चा में भाग लिया। सभा ने अपने समापन सत्र में आम चर्चा के विषय पर परिणामी दस्तावेज को स्वीकार किया। माननीय अध्यक्ष, लोक सभा ने भी 141वीं अंतर संसदीय संघ की सभा के पार्श्व चल रहे ब्रेकवे सेशन ऑफ स्पीकर्स डायलॉग ऑन डेवलपमेंट एंड इकोनामी ने भी भाग लिया। श्री सस्मित पात्रा, संसद सदस्य, राज्य सभा ने भी आम चर्चा में भाग लिया तथा युवाओं के दृष्टिकोण से इस विषय पर भारत के विचारों को रखा। आईपीयू के भारतीय समूह ने 141वीं आईपीयू की सभा के दौरान सभा की कार्यसूची में आपातकालीन विषय के रूप में शामिल करने हेतु जलवायु परिवर्तन का समाधान" विषय पर भी एक संकल्प का "

प्रस्ताव रखा। डॉ शशि थरूर, संसद सदस्य ने सभा में भारतीय प्रस्ताव को पुरःस्थापित किया तथा प्रस्तावित संकल्प के विषय पर एक संक्षिप्त विवरण दिया। भारत के प्रस्ताव को सर्वाधिक सकारात्मक मत प्राप्त हुए तथा इसे सभा की कार्यसूची में आपातकालीन विषय के रूप में शामिल किया गया। सभा ने विस्तृत चर्चा के बाद आपातकालीन विषय संबंधी संकल्प को स्वीकार किया। श्री सस्मित पात्रा, संसद सदस्य ने भारतीय संसदीय शिष्टमंडल के सदस्य के रूप में संकल्प प्रारूप समिति के प्रतिवेदक के रूप में कार्य किया।

भारतीय शिष्टमंडल के सदस्यों ने सभा के दौरान आईपीयू की एशियाई-प्रशांत भू राजनीतिक समूह (एपीजी), एशियाई संसदीय सभा, आईपीयू; स्वास्थ्य संबंधी परामर्शदात्री समूह, शासी परिषद, आईपीयू की चार स्थायी समितियां, युवा थी। सांसदों के मंच तथा महिला सांसदों के मंच आदि जैसी अन्य विभिन्न बैठकों में भी भाग लिया।

ब्रिक्स संसदीय मंच की एक बैठक सभा के साथसाथ संपन्न हुई । ब्रिक्स-संसदीय मंच का विषय ब्रिक्स में स्वास्थ्य सहयोग को परस्पर बढ़ावा देने में " सांसदों की भूमिका" था। सुश्री कनिमोझी करुणानिधि संसद सदस्यसांसद, लोक सभा ने ब्रिक्स संसदीय मंच की बैठक में भाग लिया।

श्रीमती स्नेहलता श्रीवास्तव, महासचिव, लोक सभा और श्री देश दीपक वर्मा, महासचिव, राज्य सभा ने उपर्युक्त अवसर पर संसद के महासचिवों के संघ (एसोसिएशन ऑफ सेक्रेटरीज जनरल ऑफ पार्लियामेंट) की बैठकों में भी भाग लिया।

141 वीं सभा के पार्श्व में माननीय अध्यक्ष, लोक सभा ने निम्नलिखित गणमान्य व्यक्तियों के साथ द्विपक्षीय बैठक की(एक) महामहिम सुश्री गैब्रिएला : क्यूवास बैरॉन, प्रेसिडेंट, आईपीयू (दो) महामहिम सुश्री अन्ना ब्रानबिक, सर्बिया की

प्रधानमंत्री (तीन) महामहिम सुश्री माजा गॉजकोविक, स्पीकर ऑफ द नेशनल असेंबली ऑफ सर्बिया (चार) महामहिम डॉ अली अर्देशीर लारिजनी, स्पीकर ऑफ पार्लिमेंट ऑफ ईरान, (पांचमहामहिम सुश्री लौरा रोजास हर्नांडिज (, प्रेसिडेंट ऑफ चेंबर ऑफ द डेप्युटीज ऑफ मेक्सिको (छः) महामहिम सुश्री एस. एस. चौधरी, बांग्लादेश की संसद की अध्यक्ष। सभा के दौरान विभिन्न आईपीयू निकायों में रिक्त पदों के लिए चुनाव हुए। श्री सस्मित पात्रा, सांसद, राज्य सभा और श्रीमती रक्षा निखिल खडसे, सांसद, लोक सभा को सर्वसम्मति से क्रमशः (एक) आईपीयू समिति में अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून सम्मान को बढ़ावा देने के लिए और (दो)आईपीयू के युवा सांसदों के मंच के बोर्ड का सदस्य चुना गया।

7. **6वां जी – 20 संसदीय अध्यक्षों का शिखर सम्मलेन (पी-20), 3-5 नवम्बर को टोक्यो, जापान मे हुआ**

हाउस ऑफ काउंसिल ऑफ द नेशनल डाइट ऑफ जापान और अंतर संसदीय संघ, जेनेवा द्वारा संयुक्त रूप से छठा संसदीय अध्यक्ष शिखर सम्मेलन (पी 20) 3-5 नवंबर, 2019 को जापान के टोक्यो में आयोजित किया गया।

श्री ओम बिरला, माननीय अध्यक्ष, लोक सभा और श्रीमती स्नेहलता श्रीवास्तव, महासचिव, लोक सभा ने उपरोक्त शिखर सम्मेलन में भाग लिया। श्री पी सी कॉल, संयुक्त सचिव, लोक सभा सचिवलया शिष्टमंडल के सचिव थे।

शिखर सम्मेलन में निम्नलिखित विषयों के तीन सत्र थे:

सत्र एक- "निर्बाध, खुला और निष्पक्ष व्यापार और निवेश को बढ़ावा देना"
सत्र दो- "मानव केंद्रित भविष्योन्मुख समाज के लिए नवीन प्रौद्योगिकी का उपयोग"
सत्र तीन- "वैश्विक चुनौतियों के समाधान की दिशा में प्रयास और एसडीजी विकास के लिए वित्त पोषण, पारदर्शी और प्रभावी सरकार की आवश्यकता आदि की उप्लब्धिया।

माननीय अध्यक्ष, लोक सभा ने उपर्युक्त तीन सत्रों में भाग लिया और सत्रदो - के दौरान अत्यंत महत्वपूर्ण भाषण दिया। माननीय अध्यक्ष ने भी तीसरे सत्र में भाग लिया और एक वक्तव्य दिया। शिखर सम्मेलन के अंत में एक 'संयुक्त वक्तव्य' भी अंगीकार किया गया। दौरे के दौरान, माननीय अध्यक्ष, लोक सभा ने टोक्यो में भारतवंशियों की एक चुनिंदा सभा को भी संबोधित किया। यह कार्यक्रम टोक्यो,जापान में भारत के दूतावास द्वारा आयोजित किया गया।

8. एशियाई संसदीय सभा की दूसरी कार्यकारिणी परिषद की बैठक और 12 वां पूर्ण अधिवेशन सत्र अंटालिया, तुर्की में 13-18 दिसंबर, 2019 को हुआ।

श्रीमती मीनाक्षी लेखी सांसद, लोक सभा (शिष्टमंडल की नेता); डॉ हीना विजयकुमार गावित, सांसद, लोक सभा; और डॉ नरेंद्र जाधव, सांसद, राज्य सभा वाले एक भारतीय संसदीय शिष्टमंडल ने दूसरी कार्यकारिणी परिषद की बैठक और एशियाई संसदीय सभा (एपीए) के12 वें पूर्ण अधिवेशन में भाग लिया, जो 13-18 दिसंबर, 2019 को तुर्की के अंताल्या में आयोजित किया गया था। श्री अभिजीत कुमार, अपर सचिव, लोक सभा सचिवालय शिष्टमंडल के सचिव थे।

पूर्ण सत्र का विषय एशियाई संसदों के बीच बहुपक्षीय सहयोग " की भूमिका" था। पूर्ण सत्र के अंत में, 'एंटाल्या घोषणा' नामक एक परिणामी दस्तावेज़ को अंगीकार किया गया।

9. पीपुल्स मजलिस (मालदीव की संसद) का उद्घाटन सत्र

श्री राजीव प्रताप रूडी, सांसद, लोक सभा ने माले, मालदीव में 3 फरवरी, 2020 को आयोजित पीपुल्स मजलिस (मालदीव की संसद) के उद्घाटन सत्र में भाग लिया। श्री राजीव प्रताप रूडी, सांसद, लोक सभा माले, मालदीव की अपनी यात्रा के दौरान, मालदीव की संसद के संबंधित अधिकारियों के साथ बैठकें कीं। बैठकों का मुख्य उद्देश्य ऐसी प्रणालियां बनाना था जो उन मामलों को आगे ले जा सके जिनकी चर्चा दो पीठासीन अधिकारियों और दोनों संसदों के सचिवालओं के बीच उनके पूर्व विचार विमर्श के दोरान की गयी थी ।

10. विश्व व्यापार संगठन संबंधी संसदीय सम्मेलन की संचालन समिति के 45वें सत्र की बैठक

श्री राजीव प्रताप रूडी, संसद सदस्य, लोक सभा ने 20 फरवरी, 2020 को ब्रुसेल्स मे आयोजित विश्व व्यापार संगठन संबधि संसदीय सम्मलेन की संचालन समिति के 45वे सत्र की बैठक मे भाग लिया।

बैठक के दौरान कार्यसूची के निम्नलिखित विषयों पर चर्चा की गई:

(i) विश्व व्यापार संगठन का सुधार

(ii) विश्व व्यापार संगठन सम्बन्धी संसदीय सम्मेलन के 2020 में होने वाले वार्षिक सत्र के सम्बंध में संक्षिप्त जानकारी।

बैठक के अंत में एक वक्तव्य भी स्वीकार किया गया।

(ख:) <u>अंतर संसदीय संघ की केन्द्रीय निधियो मे अंशदान</u>

अंतर संसदीय संघ की केंद्रीय निधि में भारतीय संसदीय समूह के वर्ष 2020 के लिए संसद द्वारा स्वीकृत अनुदान में से 1,12,900/ सीएचएफ (रू 82,41,700/-) के वार्षिक अनुदान का भुगतान किया गया। एजीपी मे सीएचएफ़ 550/- (रू 40,500/-) की धनराशि का अंशदान किया गया।

भाग - 2

<u>राष्ट्रमंडल संसदीय संघ(सीपीए) से संबंधित घटनाएँ</u>

भारत राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (आईपीयू) का सदस्य है। लोक सभा सचिवालय सीपीए की भारत शाखा के लिए सचिवालय और सीपीए भारत क्षेत्र के लिए सचिवालय के रूप में कार्य करता है। सीपीए की भारत शाखा ने2019-20 में सत्तरवें वर्ष में प्रवेश किया। भारत क्षेत्र शाखा, जो एशिया क्षेत्र का एक हिस्सा था,

सितंबर, 2004 में सीपीए का एक अलग क्षेत्र बन गया। समीक्षाधीन अवधि के दौरान निम्नलिखित घटनाएँ हुईं:

1. भारत में विधायी निकायों के पीठासीन अधिकारियों की बैठक

भारत में विधायी निकायों के पीठासीन अधिकारियों की एक बैठक 28 अगस्त, 2019 को नई दिल्ली में हुई थी। पीठासीन अधिकारियों ने भारत में विधानमंडलो के सम्बंध में विभिन्न ज्वलंत विषयों पर विचारविमर्श किया। बैठक - में, माननीय अध्यक्ष, लोक सभा और एआईपीओसी के सभापति ने निम्नलिखित तीन समितियों के गठन का प्रस्ताव रखा:

(क) विधान मंडलो की कार्यप्रणाली मे संचार और सूचना प्रोधोयगिक उपयोग का मूल्यांकन करने और आगे का रास्ता निर्धारित करने के लिए श्री हितेन्द्र नाथ गोस्वामी, माननिए अध्यक्ष, असम विधान सभा की अध्यक्षता मे पीठासीन अधिकारियों की समिति सुझाव देगी।

(ख) पीठासीन अधिकारियों की समिति श्री हितेन्द्र नाथ गोस्वामी, माननिए अध्यक्ष, असम विधान सभा की अध्यक्षता मे सभा की सुचारु कार्यप्रणाली के मामले की जांच करेगी तथा ;

(ग) पीठासीन अधिकारियों की समिति डॉ सी पी जोशी, अध्यक्ष, राजस्थान विधान सभा की अध्यक्षता मे विधानमंदलो के सचिवालयों की वित्तीय स्वतंत्रता के मामले की जांच करेगी।

2. पीठासीन अधिकारियों की अतिरिक्त समिति

अगस्त, 2019 में गठित पीठासीन अधिकारियों की उपरोक्त तीन समितियों के अतिरिक्त संविधान की दसवीं अनुसूची और उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के अंतर्गत पीठासीन अधिकारियों की समिति की समीक्षा करने हेतु पीठासीन अधिकारियों की समिति का गठन भी डॉक्टर सी पी जोशी, अध्यक्ष,

राजस्थान विधान सभा की अध्यक्षता में अध्यक्ष, लोक सभा तथा सभापति, एआईपीओसी द्वारा जनवरी 2020 में किया गया था।

3. <u>22 से 29 सितंबर 2019 तक कंपाला, उगांडा में आयोजित 64 वा राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन</u>।

22 से 29 सितंबर को, 2019 को कंपाला, उगांडा में 64 वा राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन आयोजित हुआ। श्री ओम बिरला, अध्यक्ष कोमा लोक सभा के नेतृत्व में एक भारतीय संसदीय शिष्टमंडल ने इस सम्मेलन में भाग लिया। इस शिष्टमंडल के सदस्य थे -श्री अधीर रंजन चौधरी, संसद सदस्य (लोकसभा), श्रीमती रूपा गांगुली, संसद सदस्य (राज्य सभा); डॉ. एल हनुमंतय्या थायाकामा संसद सदस्य (राज्य सभा) और श्रीमती अपराजिता सारंगी, संसद सदस्य (लोकसभा)।

राज्यों के राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की शाखाओं के निम्नलिखित पीठासीन अधिकारियों ने भी शिष्टमंडल के सदस्यों के रूप में इस सम्मेलन में भाग लिया। श्री धमीनेनी सीताएम, अध्यक्ष, आंध्र प्रदेश विधानसभा; श्री पी डी सोना, अध्यक्ष, अरुणाचल प्रदेश विधानसभा; श्री हितेंद्र नाथ गोस्वामी, अध्यक्ष, असम विधानसभा और सदस्य सीपीए कार्यकारिणी समिति;श्री विजय कुमार चौधरी, अध्यक्ष, बिहार विधान सभा; डॉ चरणदास महंत, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ विधानसभा ; श्री राम निवास गोयल, अध्यक्ष, दिल्ली विधानसभा;श्री राजेश पाटनेकर अध्यक्ष, गोवा विधानसभा; श्री राजेंद्र सूर्य प्रसाद त्रिवेदी, अध्यक्ष, गुजरात विधानसभा; डॉ राजीव बिंदल,

अध्यक्ष, हिमाचल प्रदेश विधानसभा; श्री दिनेश उरांव, अध्यक्ष झारखंड विधानसभा; श्री विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी, अध्यक्ष, कर्नाटक विधानसभा; श्री पी. श्री राम कृष्ण कुमार अध्यक्ष, केरल विधानसभा; श्री नर्मदा प्रसाद प्रजापति, अध्यक्ष, मध्यप्रदेश विधानसभा; श्री टीडी. शिरा, उपाध्यक्ष, मेघालय विधानसभा; श्री लाल रिन लियाना सैलो, अध्यक्ष, मिजोरम विधानसभा; श्री खो ओ यहोश, अध्यक्ष, नागालैंड विधान सभा; डॉ सूर्य नारायण पत्रो,अध्यक्ष, ओडिशा विधानसभा; श्री पी धनपाल, अध्यक्ष, तमिलनाडु विधानसभा; श्री पोचाराम श्री निवास रेड्डी, अध्यक्ष, तेलंगाना विधानसभा;श्री रेवती मोहनदास, अध्यक्ष, त्रिपुरा विधानसभा;श्री प्रेमचंद अग्रवाल, अध्यक्ष उत्तराखंड विधानसभा और श्री हृदय नारायण दीक्षित, अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश विधानसभा। श्रीमती रोजलिना तिरके, विधायक, असम विधानसभा ने भी इस सम्मेलन में शिष्टमंडल के सदस्य के रूप में भाग लिया।

श्री हितेंद्र नाथ गोस्वामी, अध्यक्ष, असम विधानसभा और श्री प्रेमचंद अग्रवाल, अध्यक्ष, उत्तराखंड विधानसभा ने सीपीए की कार्यकारिणी समिति की बैठकों में भाग लिया। श्री अधीर रंजन चौधरी, संसद सदस्य (लोक सभा), ने स्थानापन्न सदस्य के रूप में सीपीए कार्यकारिणी समिति की बैठक में भाग लिया।

इस सम्मेलन के दौरान, कार्यशालाओं के रूप में निम्नलिखित विषयों पर चर्चा की गई:

(एक) टॉक शो पैनल- जलवायु परिवर्तन: उपलब्धियां, चुनौतियां और संसदीय हस्तक्षेप की दक्षता (मेजबान शाखा) (कार्यशाला'क');

(दो) टेड टॉक- संसद में नवोन्मेष: आज संसद किस प्रकार कार्य करती हैं - पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी का प्रभाव (कार्यशाला 'ख');

(तीन) मेंटरिंग सत्र- चयनकत्ताओं, उम्मीदवारों और जनप्रतिनिधियों के रूप में दिव्यांग व्यक्तियों की सहायता करने में संसद की भूमिका(कार्यशाला' ग');

(चार) युवा गोलमेज -युवा बेरोजगारी से निपटने के लिए कार्यनीतियां (युवाओं से संबंधित विषय) (कार्यशाला 'घ');

(पांच) वार्ता -, शो पैनल- तेजी से बढ़ते शहरीकरण और ग्रामीण पतन का निराकरण- राष्ट्रमंडल के लिए एक चुनौती (कार्यशाला 'ड.');

(छह) (टेड) वार्ता - संसद में नवोन्मेष- छोटी शाखाओं पर ब्रिटेन'ब्रेक्जिट'के सकारात्मक प्रभाव (छोटी शाखाओं से संबंधित विषय) (च);

(सात) सम्मान, सभ्यता और गौरव की संस्कृति को बढ़ावा देना: विधान मंडलों में यौन उत्पीड़न के लिए कोई स्थान नहीं (गांव से संबंधित विषय) (कार्यशाला 'छ');

(आठ) शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत में संसद की भूमिका; पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देना (कार्यशाला' ज');

(नौ) विधाई जांच के पश्चात (पी एल एस) -संसद के निगरानी कार्य का आयाम। अलग अलग राजनीतिक प्रणालियों के भीतर इसका प्रतिनिधित्व किस प्रकार किया जाता है? (कार्यशाला 'झ'); और

(दस) टॉक शो पैनल: इस प्रकार लोकतांत्रिक विधान मंडलों के अद्यतन सीपीए मानदंडों का उपयोग सीपीए विधान मंडलों की क्षमता को सुदृढ़ करने के लिए किया गया है।

अध्यक्ष, लोकसभा ने इस सम्मेलन के दौरान सभी कार्यशालाओं में भाग लिया। श्रीमती अपराजिता सारंगी, संसद सदस्य (लोकसभा) "युवाओं में बेरोजगारी से निपटने के लिए कार्यनीतियां(युवाओं से संबंधित विषय)"संबंधी कार्यशाला 'घ'' में' विचार विमर्श नेता' थीं। श्री हृदय नारायण दीक्षित, अध्यक्ष उत्तर प्रदेश विधानसभा "तेजी से बढ़ते शहरीकरण और ग्रामीण पतन से निपटना -राष्ट्रमंडल के लिए चुनौती"संबंधी कार्यशाला'ड.' में 'पैनलिस्ट' के रूप में नियुक्त किए गए। श्रीमती रूपा गांगुली, संसद सदस्य (राज्यसभा) ने "सम्मान, अस्मिता और गौरव की संस्कृति को बढ़ावा देना: विधान मंडलों में यौन उत्पीड़न के लिए कोई स्थान नहीं"संबंधी कार्यशाला च' में भारतीय शिष्टमंडल के'प्रमुख वक्ता'के रूप में भाग लिया। श्री राजेंद्र त्रिवेदी, अध्यक्ष, गुजरात विधानसभा"शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत में संसद की भूमिका: पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाना"संबंधी कार्यशाला'ज' में 'पैनलिस्ट'भी थे।

श्रीमती रूपा गांगुली, संसद सदस्य (राज्यसभा), श्रीमती अपराजिता सारंगी, संसद सदस्य (लोक सभा) और श्रीमती रोजलीना तिरके, विधायक, असम विधानसभा ने सीडब्ल्यूपी सम्मेलन में भाग लिया। श्रीमती अपराजिता सारंगी, संसद सदस्य(लोक सभा) सीडब्ल्यूपी सम्मेलन में "नए सांसदों के लिए मेंटरिंग का महत्व"विषय पर बोलने वाली प्रमुख वक्ता थी। उन्होंने सीडब्ल्यूपी संचालन समिति में स्थानापन्न सदस्य के रूप में भी भाग लिया।

श्री रोजलीना तिरके , सांसद, असम विधानसभा; श्री संयम लोढ़ा, विधायक, राजस्थान विधानसभा ने सम्मेलन में शिष्टमंडल के सदस्य के रूप में भाग लिया।

- `इसके साथ-साथ, अध्यक्ष, लोकसभा ने उगांडा की संसद और 64वें सीपीए सम्मेलन के अध्यक्ष के साथ द्विपक्षीय बैठक की । अध्यक्ष, लोक सभा ने उगांडा में भारतीय मूल के लोगों को भी संबोधित किया।

4. पीठासीन अधिकारियों की समितियां

श्री हितेंद्र नाथ गोस्वामी, अध्यक्ष, असम विधानसभा की अध्यक्षता में" विधान मंडलों के कार्यक्रम में संचार और सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग का मूल्यांकन करने और आगे का रास्ता सुझाने हेतु पीठासीन अधिकारियों की समिति" ने दो बैठकें कीं, पहली बैठक नवंबर, 2019 में असम हाउस, नई दिल्ली और दूसरी बैठक 1 जनवरी, 2020 को लखनऊ में हुई। यह विषय जांच के उन्नत चरण में है।

श्री हृदय नारायण दीक्षित, अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश विधानसभा की अध्यक्षता में "सभा के सुचारू कार्यक्रम के मामले की जांच करने के लिए पीठासीन अधिकारियों की समिति" की एक बैठक नवंबर, 2019 को नई दिल्ली में हुई। इस विषय का अध्ययन अभी जारी है।

डॉक्टर सीपी जोशी, अध्यक्ष, राजस्थान विधानसभा की अध्यक्षता में "विधान मंडल सचिवालय की वित्तीय आत्मनिर्भरता के मामले की जांच करने के लिए पीठासीन अधिकारियों की समिति" की एक बैठक दिसंबर , 2019 को जयपुर में हुई। समिति ने राज्य विधान मंडल से प्रश्न सूची के रूप में विस्तृत जानकारी मांगी है ताकि वह अपने प्रतिवेदन को अंतिम रूप दे सकें।

5. दिसंबर, 2019 में भारत में पीठासीन अधिकारियों और विधाई निकायों के सचिवों का सम्मेलन।

18 और 19 दिसंबर 2019 को भारत में विधाई निकायों के पीठासीन अधिकारियों का 79 वां सम्मेलन देहरादून, उत्तराखंड में हुआ। लोकसभा के अध्यक्ष और सम्मेलन के अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने इस सम्मेलन का उद्घाटन देहरादून, उत्तराखंड में हुए एक कार्यक्रम में किया। अध्यक्ष, उत्तराखंड विधानसभा, श्री प्रेमचंद्र अग्रवाल ने उद्घाटन समारोह में स्वागत भाषण दिया। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने उद्घाटन समारोह में भाग लिया और उद्घाटन सत्र को भी संबोधित किया।

सम्मेलन में दो विषयों अर्थात (एक) शून्यकाल सहित इनहाउस युक्तियों के माध्यम से संसदीय लोकतंत्र और क्षमता निर्माण को सुदृढ़ करना; और (दो) संविधान की दसवीं अनुसूची और अध्यक्ष की भूमिका, पर विचार विमर्श किया गया।

विदाई सत्र 19 दिसंबर, 2019 को आयोजित किया गया। अध्यक्ष, लोकसभा, श्री ओम बिरला ने विदाई भाषण दिया। उत्तराखंड की महामहिम राज्यपाल, श्रीमती बेबी रानी मौर्य ने विदाई सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और सत्र को संबोधित किया।

पीठासीन अधिकारियों के 79 वें सम्मेलन से पहले 17 दिसंबर, 2019 को देहरादून, उत्तराखंडमें भारत में विधाई निकायों के सचिवों का 57 वां सम्मेलन आयोजित किया गया। सचिव, उत्तराखंड विधानसभा, श्री जगदीश चंद्र ने स्वागत भाषण दिया। लोकसभा की महासचिव और सम्मेलन की अध्यक्ष श्रीमती स्नेहलता श्रीवास्तव ने उद्घाटन भाषण दिया। श्री देश दीपक वर्मा महासचिव राज्यसभा ने भी सम्मेलन को संबोधित किया। लगभग सभी राज्यों/संघ राज्य विधान मंडलों के मुख्य सचिवों/सचिवों ने सम्मेलन में भाग लिया। सम्मेलन में संसदीय पद्धतियों और प्रक्रियाओं के विविध क्षेत्रों अर्थात (एक) विधान मंडलों में निष्कासन हेतु प्रक्रिया

की समीक्षा करने की आवश्यकता; (दो) विधानमंडल - जनमानस तक पहुंचने के लिए नई खिड़कियां खोलना - दो विषयों पर गंभीर विचार विमर्श किया गया।

6. 5 से 9 जनवरी, 2020 कोओटावा, कनाडा में राष्ट्रमंडल के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों का 25 वां सम्मेलन।

श्री ओम बिरला, अध्यक्ष, लोकसभा के नेतृत्व में और श्री हरिवंश, उपसभापति, राज्यसभा और श्रीमती स्नेह लता श्रीवास्तव, महासचिव, लोकसभा वाले एक भारतीय संसदीय शिष्टमंडल ने 5 से 9 जनवरी 2020 को ओटावा, कनाडा में राष्ट्रमंडल के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 25 वें सम्मेलन में भाग लिया। श्री पीसी कॉल, संयुक्त सचिव लोकसभा सचिवालय शिष्टमंडल के सचिव रहे।

राष्ट्रमंडल के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन संबंधी स्थाई समिति की बैठक जो सोमवार, 6 जनवरी, 2020 को हुई थी में लोकसभा के अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने भारत के प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया।

सम्मेलन का उद्घाटन समारोह मंगलवार, 7 जनवरी, 2020 को हुआ।

सम्मेलन में चार कार्यशाला सत्र और एक विशेष पूर्ण सत्र आयोजित किया गया:

कार्यशाला 1: संसदीय कार्य: निबाधिता पारदर्शिता और जवाबदेही

कार्यशाला 2: ''संसदीय सम्मेलन के अन्यत्र आयोजन से उत्पन्न होने वाली चुनोतियां और अवसर

कार्यशाला 3: प्रभावी कानून निर्माताओं और निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधीयों के रूप में संसद: विकासोन्नमुखी प्रोत्साहन की आवश्यकता

कार्यशाला 4: संसदीय संदर्भ और उससे इतर कर्मियों की सुरक्षा

विशेष पूर्ण सत्र: समावेशी संसद: संसद के स्वरूप और आवश्यकताओं को अपनाने में सहायक नवीन प्रक्रियाओं और पद्धतियों के विकास में अध्यक्ष की भूमिका

कार्यशाला के विषयों से संबंधित संबंधी प्रारंभिक पूर्ण सत्रों के पश्चात एक पृथक कार्यशाला सत्र आयोजित किए गए। विशेष सत्र में शिष्टमंडल के लगभग सभी सदस्यों ने भाग लिया।

लोकसभा के अध्यक्ष श्री ओम बिरला "संसदीय संदर्भ और उससे इतर में व्यक्तियों की सुरक्षा" विषय संबंधी कार्यशाला चार में कार्यशाला प्रस्तोता थे। प्रस्तुतीकरण के पश्चात लोकसभा के अध्यक्ष ने कार्यशाला में भाग लेने वाले प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिया।

मंगलवार, 9 जनवरी, 2020 को 10.30 बजे "समावेशी संसद : संसद के बदलते स्वरूप और आवश्यकताओं को अपनाने में सहायक नवीन प्रक्रियाओं और पद्धतियों के विकास में अध्यक्ष की भूमिका" विषय पर विशेष पूर्ण सत्र आयोजित किया गया। भारतीय संसद के शिष्टमंडल के सदस्यों ने विशेष पूर्ण सत्र और सम्मेलन की अन्य कार्यशालाओं में भाग लिया।

सम्मेलन में अन्य कार्यक्रमों के साथ-साथ माननीय अध्यक्ष, लोक सभा और शिष्टमंडल ने कनाडा के सीनेट और हाउस ऑफ कॉमन्स में अपने समकक्षों तथा कनाडा के अन्य गणमान्य लोगों के साथ बैठकें कीं।

टोरंटो में अपने प्रवास के दौरान, भारतीय संसदीय शिष्टमंडल ने ओंटारियो स्टेट लेजिस्लेटिव असेंबली का दौरा किया क्योंकि यह एक विरासत भवन है और इसका नवीकरण किया जा रहा है। भारतीय शिष्टमंडल ने लेजिस्लेटिव असेंबली के

स्पीकर, श्री टेड अर्नोट और उनकी टीम के साथ नवीकरण परियोजना के बारे में व्यापक चर्चा की। माननीय अध्यक्ष, लोक सभा ने विशेष सभा को भी संबोधित किया। भारतीय शिष्टमंडल ने ओंटारियो,टोरंटो में मंत्रियों, संसद सदस्यों और जनप्रतिनिधियों के साथ भोजनोपरांत भी बैठक की। भारतीय संसदीय शिष्टमंडल ने यात्रा के दौरान ओटावा और टोरंटो में भारतीय मूल के लोगों के साथ बैठकें कीं।

माननीय अध्यक्ष, लोक सभा ने 2026 में सीएसपीओसी की मेजबानी करने की पेशकश की जिसका अनुमोदन सर्वसम्मति से कार्यकारिणी समिति की बैठक और सम्मेलन दोनों में अनुमोदित किया गया।

7. 15-19 जनवरी,2020 को लखनऊ में सातवां सीपीए भारत क्षेत्र सम्मेलन।

7वां सीपीए भारत क्षेत्र सम्मेलन 15 से 19 जनवरी, 2020 को लखनऊ, उत्तर प्रदेश में आयोजित किया गया था। माननीय अध्यक्ष, श्री ओम बिरला, लोक सभा और सीपीए भारत क्षेत्र के सभापति ने गुरुवार, 16 जनवरी, 2020 को सम्मेलन का उद्घाटन किया। श्री हृदय नारायण दीक्षित, माननीय अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश विधानसभा ने उद्घाटन समारोह में स्वागत भाषण दिया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने उद्घाटन समारोह में भाग लिया और प्रतिष्ठित बैठकों को भी संबोधित किया।

सम्मेलन का विषय "जनप्रतिनिधियों की भूमिका" था, जिसमें निम्नलिखित दो विषय शामिल थे:

- बजटीय प्रस्तावों की जांच के लिए जनप्रतिनिधियों का क्षमता निर्माण; तथा
- विधायी कार्य के संबंध में जनप्रतिनिधियों का ध्यान केंद्रित करना।

विदाई सत्र शुक्रवार, 17 जनवरी, 2020 को आयोजित हुआ। श्री ओम बिरला, माननीय अध्यक्ष, लोक सभा ने विदाई भाषण दिया। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल महामहिम श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने विदाई सत्र में भाग लिया और सत्र को संबोधित किया।

इस सम्मेलन में भारत क्षेत्र में राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की शाखाओं के 30 पीठासीन अधिकारी/प्रतिनिधि और दक्षिण पूर्व एशिया और ऑस्ट्रेलिया के सीपीए क्षेत्र से एक-एक पर्यवेक्षक और संघ और राज्य / संघ शासित क्षेत्रों के विधानमंडलों के सचिव शामिल हुए।

8. 27 फरवरी-1 मार्च 2020 को सीपीए के महासचिव की भर्ती की बैठक।

श्री जयंत सिन्हा, संसद सदस्य, लोक सभा लंदन स्थित महासचिव, सीपीए की भर्ती के लिए 27 फरवरी-1 मार्च, 2020 को सीपीए भारत क्षेत्र के सदस्य के रूप में चयन पैनल की बैठक में शामिल हुए।

चयन पैनल, सीपीए क्षेत्रों के प्रतिनिधियों से मिलकर बने चयन पैनल ने अगले महासचिव और आरक्षित निम्नलिखित उम्मीदवार के रूप में उम्मीदवारों की सिफारिश की:

(एक) श्री स्टीफन ट्विग - बीआईएम क्षेत्र
महासचिव, सीपीए के लिए आरक्षित उम्मीदवार

(दो) सुश्री ग्लोरिया सोमोलके - अफ्रीका क्षेत्र

चयन पैनल की सिफारिश पर सीपीए की कार्यकारिणी समिति द्वारा गुवाहाटी, भारत में जून, 2020 में आयोजित होने वाली इसका मध्य-वर्ष की बैठक में औपचारिक रूप से विचार और अनुमोदन किया जाएगा या मौजूदा कोरोना महामारी द्वारा उत्पन्न लॉकडाउन की स्थिति को देखते हुए परिचालन द्वारा अनुमोदित किया जाएगा।

राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के लिए वार्षिक अंशदान

राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की वर्ष 2019-20 के लिए भारत शाखा का वार्षिक अंशदान पाउंड 32,387 था, जो - 29,73,046 / -रु0 के बराबर था और इसका भुगतान संसद द्वारा स्वीकृत अनुदान से किया गया था।

भाग-तीन

द्विपक्षीय विचार-विमर्श और अन्य घटनाएं

एक. <u>भारत आने वाले विदेशी संसदीय शिष्टमंडल</u>।

(1) मालदीव: स्पीकर ऑफ द पीपल्स मजलिस ऑफ मालदीव, महामहिम श्री मोहम्मद नशीद के नेतृत्व में मालदीव के 12 सदस्य संसदीय शिष्टमंडल ने 8 से 13 दिसंबर, 2019 तक भारत का दौरा किया।

9 दिसंबर, 2019 को, शिष्टमंडल ने श्री एम. वेंकैया नायडू, उपराष्ट्रपति और सभापति, राज्य सभा और श्री ओम बिरला, माननीय अध्यक्ष, लोक सभा से भेंट की। माननीय अध्यक्ष, लोक सभा द्वारा शिष्टमंडल के सम्मान में एक भोज (मध्याह्न भोजन) आयोजित किया गया। शिष्टमंडल ने श्री पी.पी. चौधरी, विदेश मामलों सम्बन्धी स्थायी समिति के सभापति और सदस्यों से भी भेंट की।

10 दिसंबर, 2019 को, गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष श्री राजेंद्र त्रिवेदी से शिष्टमंडल ने गांधीनगर, गुजरात में भेंट की। माननीय अध्यक्ष, गुजरात विधान सभा द्वारा शिष्टमंडल के सम्मान में रात्रि भोज आयोजित किया गया।

13 दिसंबर, 2019 को, शिष्टमंडल ने भारत के प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री डॉ सुब्रह्मण्यम जयशंकर से भेंट की।

दिल्ली के अलावा, शिष्टमंडल ने गांधीनगर, गुजरात और आगरा का भी दौरा किया।

(2) कनाडा: महामहिम श्री जॉर्ज जे फुरे, स्पीकर ऑफ द सीनेट ऑफ पार्लियामेंट ऑफ कनाडा के नेतृत्व में कनाडा के एक संसदीय शिष्टमंडल ने 8 से 14 फरवरी, 2020 तक भारत का दौरा किया।

13 फरवरी, 2020 को, शिष्टमंडल ने श्री एम. वेंकैया नायडू, उपराष्ट्रपति और सभापति, राज्य सभा; श्री ओम बिरला, माननीय अध्यक्ष, लोक सभा; डॉ. सुब्रह्मण्यम जयशंकर, विदेश मंत्री और मानव संसाधन विकास मंत्री, श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' से भेंट की।

शिष्टमंडल के सम्मान में तत्पश्चात, माननीय अध्यक्ष, लोक सभा द्वारा रात्रि भोज को आयोजन किया गया।

14 फरवरी, 2020 को शिष्टमंडल राज्य सभा में विपक्ष के नेता श्री गुलाम नबी आजाद से भेंट की।

दिल्ली के अलावा, शिष्टमंडल ने आगरा का भी दौरा किया।

दो <u>संसद भवन परिसर में विदेशी गण्यमान्य व्यक्तियों के दौरे/भेंट</u>

(1) **आईएसएसपी इंडिया 2019**: भारत में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सर्वेक्षण कार्यक्रम (आईएसएसपी) सम्मेलन में भाग लेने आए शिष्टमंडल ने 2 मई, 2019 को जी-074, संसदीय ज्ञानपीठ में माननीय अध्यक्ष, लोक सभा से भेंट की।

(2) **रूस:** रूसी संघ के राजदूत महामहिम श्री निकोले रिश्तोविच कुदाशेव ने 31 जुलाई, 2019 को संसद भवन में माननीय अध्यक्ष, लोकसभा से भेंट की।

(3) **सर्बिया:** सर्बिया के राजदूत महामहिम श्री व्लादिमीर मारिक ने 11 अक्टूबर, 2019 को संसद भवन में माननीय अध्यक्ष, लोक सभा से भेंट की।

(4) **मिस्र:** अरब गण्यराज्य मिस्र की राजदूत महामहिम डॉ हिबा सला हेलदीन अलमरासी ने 24 अक्टूबर, 2019 को संसद भवन में माननीय अध्यक्ष, लोक सभा से भेंट की।

(5) **फ्रांस:** फ्रांस-भारत संसदीय मैत्री समूह की अध्यक्ष श्रीमती सेलिने कैलवेज ने 28 जनवरी, 2020 को संसद भवन में माननीय अध्यक्ष, लोक सभा से भेंट की।

तीन भारतीय संसदीय ग्रुप के तत्वावधान में आयोजित समारोह/सम्मेलन और राष्ट्रीय नेताओं को पुष्पांजलि

(1) राष्ट्रीय नेताओं को पुष्पांजलि

निम्नलिखित राष्ट्रीय नेताओं की जन्मशती के अवसर पर, समूह के तत्वावधान में केंद्रीय कक्ष, संसद भवन में प्रत्येक चित्र के समक्ष दर्शाई गई तिथियों पर समारोह आयोजित किए गए, जहाँ उनके चित्र स्थापित किए गए हैं: -

(1)	डॉ.बी.आर. अंबेडकर	14 अप्रैल, 2019
(2)	पं. मोतीलाल नेहरू	6 मई, 2019
(3)	गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर	9 मई, 2019
(4)	डॉ. एन. संजीव रेड्डी	19 मई, 2019
(5)	स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर	28 मई, 2019
(6)	श्री के.एस. हेगड़े	11 जून, 2019
(7)	डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी	6 जुलाई, 2019
(8)	श्री बाल गंगाधर तिलक	23 जुलाई, 2019
(9)	श्री सोमनाथ चटर्जी	25 जुलाई, 2019
(10)	श्री जी.एस. ढिल्लों	6 अगस्त, 2019
(11)	श्री राजीव गांधी	20 अगस्त, 2019
(12)	श्री बलराम जाखड़	23 अगस्त, 2019
(13)	सरदार हुकम सिंह	30 अगस्त, 2019
(14)	श्री पी.ए.संगमा	1 सितम्बर, 2019
(15)	दादाभाई नारौजी	4 सितम्बर, 2019
(16)	श्री जी.एम.सी. बालयोगी	1 अक्टूबर, 2019
(17)	महात्मा गांधी	2 अक्टूबर, 2019
(18)	श्री लाल बहादुर शास्त्री	2 अक्टूबर, 2019
(19)	श्री बाली राम भगत	7 अक्टूबर, 2019
(20)	सरदार वल्लभभाई पटेल	31 अक्टूबर, 2019
(21)	देशबंधु चित्तरंजन दास	5 नवम्बर, 2019
(22)	मौलाना अबुल कलाम आज़ाद	11 नवम्बर, 2019
(23)	पंडित जवाहरलाल नेहरू	14 नवम्बर, 2019
(24)	श्रीमती इंदिरा गांधी	19 नवम्बर, 2019

(25)	श्री रबि राय	26 नवम्बर, 2019
(26)	श्री जी.वी. मावलंकर	27 नवम्बर, 2019
(27)	डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद	3 दिसम्बर, 2019
(28)	श्री सी.गोपालाचार्य	10 दिसम्बर, 2019
(29)	चौधरी चरण सिंह	23 दिसम्बर, 2019
(30)	पंडित मदन मोहन मालवीय	25 दिसम्बर, 2019
(31)	श्री अटल बिहारी वाजपेयी	25 दिसम्बर, 2019
(32)	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस	23 जनवरी, 2020
(33)	लाला लाजपत राय	28 जनवरी, 2020
(34)	श्री एम.ए. अय्यंगर	4 फरवरी, 2020
(35)	श्रीमती सरोजिनी नायडू	13 फरवरी, 2020
(36)	श्री मोरारजी देसाई	29 फरवरी, 2020
(37)	डॉ0 राम मनोहर लोहिया	23 मार्च, 2020

माननीय अध्यक्ष, लोक सभा,माननीय उपाध्यक्ष, लोक सभा, केंद्रीय मंत्रियों, संसद सदस्यों, पूर्व संसद सदस्यों और अन्य लोगों ने इन अवसरों पर उपरोक्त नेताओं को पुष्पांजलि अर्पित की। लोक सभा सचिवालय के शोध और सूचना प्रभाग द्वारा तैयार की गई उपरोक्त नेताओं के जीवन-वृत्त संबंधी पुस्तिकाएँ भी इन अवसरों पर वितरित की गईं। पुष्पांजलि के दोरान सेंट्रल हाल में संबन्धित नेताओ पर या संबन्धित नेताओ द्वारा लिखी गयी पुस्तकों को भी प्रदर्शित किया गया।

(2) <u>भारत के संविधान को अंगीकार करने हेतु 70 वीं वर्षगांठ मनाने हेतु समारोह- 'संविधान दिवस'</u>।

भारत के संविधान को अंगीकार करने हेतु 70 वीं वर्षगांठ मनाने हेतु 'संविधान दिवस' समारोह का आयोजन मंगलवार, 26 नवंबर 2019 को केंद्रीय कक्ष, संसद भवन में किया गया। भारत के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और राज्य सभा के उपसभापति,, भारत के प्रधान मंत्री और अध्यक्ष, लोक सभा, इस अवसर पर उपस्थित हुए और प्रतिष्ठित सभा को संबोधित किया। राज्य सभा और लोक सभा दोनों के संसद सदस्यों ने समारोह में भाग लिया।

इस अवसर पर, भारत के राष्ट्रपति ने संसदीय कार्य मंत्रालय के 'राष्ट्रीय युवा संसद योजना पोर्टल' को शुरु किया। 'भारतीय संसदीय लोकतंत्र में राज्य सभा की भूमिका' नामक एक प्रकाशन, राज्य सभा के 250वें सत्र की स्मृति में सिक्कों का एक सेट और एक डाक टिकट एवं पहले दिन का आवरण भी जारी किया गया। भारत के राष्ट्रपति ने 'भारत के संविधान के 70 वर्ष' विषय पर लोक सभा का वर्ष 2020 का कैलेंडर जारी किया और लोक सभा सचिवालय द्वारा आयोजित 'संविधान का निर्माण' प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया।

चार. <u>परिचय पत्र/फैक्स संदेश</u>

अन्तरसंसदीय संघ के राष्ट्रीय समूहों, राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की शाखाओं तथा विभिन्न देशों में स्थित भारतीय मिशनों को विदेश जाने वाले समूह के सदस्यों के पक्ष में उनका परिचय देने वाले पत्र और फैक्स संदेश भेजे गए:-

(1) श्री एस. वेंकटेशन, संसद सदस्य
(2) श्री श्याम सिंह यादव, संसद सदस्य

(3) श्री जसबीर सिंह गिल, संसद सदस्य
(4) श्री सुनील कुमार पिंटू, संसद सदस्य
(5) श्री हेमंत पाटील, संसद सदस्य
(6) श्रीमती साजदा अहमद, संसद सदस्य
(7) श्री रवि किशन शुक्ला, संसद सदस्य

पांच. <u>सदस्यता</u>

प्रतिवेदनाधीन वर्ष के दौरान, संसद के 72 सदस्यों को समूह के सदस्य के रूप में शामिल किया गया था। 31 मार्च, 2020 की स्थिति के अनुसार, समूह के सदस्यों की कुल संख्या 1467 है। (लो.स. 189/रा.स.-93 और संबद्ध सदस्य 1185 हैं।)

छह. <u>निधन संबंधी उल्लेख</u>

कार्यकारिणी समिति बहुत ही दुख के साथ सूचित करती है कि वर्ष 2019-2020 के दौरान समूह के निम्नलिखित सदस्यों का निधन हो गया-:

(1) श्रीमती शीला दीक्षित, पूर्व संसद सदस्य, दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री
(2) श्री रामचन्द्र पासवान, पूर्व संसद सदस्य (लोक सभा)
(3) श्री एस.जयपाल रेड्डी, पूर्व संसद सदस्य
(4) श्री एस. राजेन्द्रन, पूर्व संसद सदस्य
(5) श्री एस.पी.वाई; रेड्डी, पूर्व संसद सदस्य
(6) श्री एम.के.सुब्बा, पूर्व संसद सदस्य
(7) श्री कमलेश बाल्मीकि, पूर्व संसद सदस्य
(8) श्रीमती शीला गौतम, पूर्व संसद सदस्य
(9) श्री सीताराम सिंह, पूर्व संसद सदस्य
(10) श्री वीरेंद्र कटारिया, पूर्व संसद सदस्य

(11) श्री द्रुपद बोरगोहैन, पूर्व संसद सदस्य
(12) चौधरी मुनब्बर सलीम, पूर्व संसद सदस्य
(13) श्रीमती बसंती स्टेनले, पूर्व संसद सदस्य
(14) श्री एस. सिवासुब्रमणियम, पूर्व संसद सदस्य
(15) श्रीमती सुषमा स्वराज, पूर्व संसद सदस्य
(16) श्री रामनाथ दुबे, पूर्व संसद सदस्य
(17) श्री कैलाश जोशी, पूर्व संसद सदस्य
(18) श्री अरुण जेटली, संसद सदस्य (राज्य सभा)
(19) श्री सुखदेव सिंह लिब्रा, पूर्व संसद सदस्य
(20) श्री गुरदास दासगुप्ता, पूर्व संसद सदस्य
(21) श्री वैद्यनाथ प्रसाद महतो, संसद सदस्य (लोक सभा)
(22) श्री एस.एस.सुरजेवाला, पूर्व संसद सदस्य
(23) श्री ए.वी. स्वामी, पूर्व संसद सदस्य
(24) श्री हंसराज भारद्वाज, पूर्व संसद सदस्य
(25) श्री एम. मद्दन्ना, पूर्व संसद सदस्य

सात. <u>लेखे</u>

प्राप्ति और भुगतान लेखा, आय और व्यय लेखा और तुलन पत्र को दर्शाने वाला विवरण परिशिष्ट-एक से चार में दिया गया है। समूह की निधियों के निवेश का विवरण परिशिष्ट- पांच में दिया गया है।

आठ. <u>आयोजित बैठकें</u>

(1) <u>भारतीय संसदीय समूह की कार्यकारिणी समिति की बैठक</u>

वर्ष 2019-20 के दौरान, भारतीय संसदीय समूह की कार्यकारिणी समिति की बैठक 12 दिसम्बर, 2019 को हुई। कार्यकारिणी समिति द्वारा बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों का सारांश परिशिष्ट-छ: में दिया गया है।

(2). **<u>भारतीय संसदीय समूह की वार्षिक आम बैठक</u>**

वर्ष 2019-20 के दौरान, भारतीय संसदीय समूह की कोई भी वार्षिक आम बैठक नहीं हुई।

स्नेहलता श्रीवास्तव
महासचिव

नई दिल्ली
अक्टूबर, 2020

परिशिष्ट - पांच

भारतीय संसदीय समूह के निवेश

भारतीय स्टेट बैंक (संसदीय सौंध) में सावधि जमा

धनराशि	एफडी रसीद सं.	जारी होने की तिथि	परिपक्वता की तिथि
1,99,00,000	38628787833	18.07.2019	18.06.2021
1,99,00,000	38628781784	22.07.2019	22.06.2021
1,50,00,000	3860940616	25.07.2019	25.06.2021
5,48,00,000/-			

परिशिष्ट-छ:

समूह की कार्यकारिणी समिति द्वारा वर्ष 2019-2020 में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

तिथि		विषय		लिए गए निर्णय
12.12.2019		भारतीय संसदीय समूह की वर्ष 2018-2019 की वार्षिक रिपोर्ट	1.	समिति ने भारतीय संसदीय समूह की वर्ष 2018-2019 हेतु लेखा परीक्षित लेखों सहित वार्षिक रिपोर्ट को स्वीकार किया।
		संसदीय मैत्री समूह की नियमावली में संशोधन	2.	समिति ने निर्णय लिया कि प्रत्येक संसदीय मैत्री समूह में 10 से अनाधिक सदस्य और 5 विशेष आमंत्रिती होंगे और विदेश मंत्रालय द्वारा सुझाए गए देशों के साथ मिलकर मैत्री समूह का गठन करेंगे। नियमावली के 'लक्ष्य और उद्देश्य' में निम्नलिखित को जोड़ने का भी निर्णय किया गया; ''अनुकरण करने योग्य सर्वोत्तम संसदीय पद्धतियों का अध्ययन और उनमें गहरी समझ का विकास करना।''
		वर्ष 2018 और 2019 के लिए उत्कृष्ट सांसद पुरस्कार हेतु संसद सदस्य का चयन करने के लिए नामांकन	3	समिति ने वर्ष 2018 और 2019 के लिए उत्कृष्ट सांसद पुरस्कार हेतु एक-एक संसद सदस्य के चुनाव हेतु नामांकन के प्रस्ताव को अनुमोदित किया।
		वर्ष 2018 और 2019 के	4.	

		लिए उत्कृष्ट सांसद पुरस्कार हेतु संसद सदस्य का चयन करने के लिए समिति का गठन		समिति ने लोक सभा अध्यक्ष को वर्ष 2018 और 2019 के लिए उत्कृष्ट सांसद पुरस्कार हेतु एक-एक संसद सदस्य के चुनाव करने के लिए पुरस्कार समिति का गठन करने के लिए अध्यक्ष को प्राधिकृत किया।